(ग) से (ङ) वर्ष 1987 के आरम्भ से ही भारत द्वारा की जाने वाली निलामियों में चाय की कीमतें बढ़ी है । विदेश स्थित नीलामी केन्द्रों में भी इसी प्रवत्ति की पुष्टि हुई है । वर्ष 1988 के दौरान चाय की कीमतों में हुई वृद्धि की तुलना में वर्ष 1989 के दौरान चाय की कीमतें लगभग 50% बढ़ी हैं । चाय की कीमतें में हुई वृद्धि को देखते हुए सरकार ने निम्नलिखित उपाय किये हैं ।

(1) सितम्बर, 1989 के अन्तिम सप्ताह से बारी-बारी से होने वाली सार्वजनिक नीलामियों में चाय की सी टी सी किस्म की बिक्री घरेलू क्रेताओं के लिए प्रतिबन्धित कर दी गई है।

(2) घरलू बिक्री के लिए नीलामी से वापसी की अनुमति नहीं दी जाती है । इससे घरेलू क्रेताओं के लिए सी टी सी की उपलब्धता में वृद्धि होती है ।

(3) उत्पादक विशेष फुटकर दुकानों के जरिए 40 रुपए में जिसमें स्थानीय कर जोड़ें जाते हैं, किफायती डिब्बे सप्लाई करते रहे हैं । इसके अतिरिक्त खुली चाय के व्यापारियों ने 45 रुपए प्रति किग्रा० जिसमें स्थानीय कर जोड़े जाते हैं, की दर पर खुली चाय नागरिक को देना भी आरम्भ कर दिया है ।

(4) वाणिज्य मंत्रालय के विशेष सचिव की अध्यक्षता में एक समिति समय-समय पर कीमत-स्थिति की पुनरीक्षा करती है ।

(5) प्रमुख चाय उत्पादक कंपनियों ने वर्ष 1990 में बढ़े हुए उत्पादन के लिए कार्य योजनाएं तैयार कर ली हैं ।

Manufacture of milk products by small entrepreneurs

2033. SHRI RAM AWADHESH SINGH: Will the Minister of FOOD PROCESSING INDUSTRIES be pleased to state:

(a) whether Government are aware that many small dairy technology qualified entrepreneurs have been denied permission to set up milk producing units whereas giants like Nestles have been permitted to expand;

(b) whether Government are aware that some years back Nestles had provided know-how and also machinery for Chocolate manufacture to Amul;

(c) whether it is a fact that Nestles were permitted to expand on account of their close association with NDDB, Chairman; and

(d) if so, whether Government propose to permit small entrepreneurs to manufacture milk products?

THE MINISTER OF TEXTILES WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTRY OF FOOD PROCESSING INDUSTRIES (SHRI SHARAD YADAV): (a) to (d) The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

Performanhce of Lok Adalats in States

2034. SHRI P. N. SUKUL: Will the Minister of LAW AND JUSTICE be pleased to state:

(a) which are the States where Lok Adalats have been set up;

(b) whether a review of their working has been undertaken so far; and

(c) whether it is proposed to expand the scope of the Lok Adalats and also to set up such Adalats in other States?

THE MINISTER OF ENERGY WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION (SHRI ARIF MOHD. KHAN): (a) Lok Adalats have been organised in the States of Andhra Pradesh, Assam, Bihar, Goa, Gujarat, Haryana, Karnataka, Kerala, Madhya Pradesh, Maharashtra, Manipur, Meghalaya, Orissa, Rajasthan, Sikkim, Tamil Nadu, Tripura, Uttar Pradesh, West Bengal and Union territories of Chandigarh, Delhi and Pondicherry.